मेडिकल छात्रों ने हिसार में एकजुट होकर लगाई गुहार

प्रवीन कुमार

हिसार। 300 से अधिक मेडिकल छात्रों ने आज यहां एकजुट होकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से अंडर ग्रेजुएशन (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) मेडिकल सीटों की संख्या बराबर करने की मांग की। मेडिकल छात्रों द्वारा शुरू किए गए 'सेव द डॉक्टर' अभियान लैब कोट पहने इन डॉक्टरों ने काला रिबन लगाकर बस स्टॉप से गणेश मार्केट तक पैदल चलते हुए प्रदर्शन किया।

इस मौके पर डॉ नरेश त्रेहन, सीएमडी, मेडांटा ने कहा वे देश में चिकित्सा छात्रों की मौजूदा स्थिति को लेकर काफी चिंतित हूं। हम सभी जानते हैं कि देश में चिकित्सा क्षेत्र में ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए उपलब्ध सीटें बराबर नहीं है। मेडिकल छात्र और ग्रेजुएट किसी भी तरह से पीजी में सीट पाने के लिए काफी मेहनत करते हैं, वे बार-बार परीक्षा देते हैं और इस तरह कई बार अपने लक्ष्य से भटक भी जाते हैं। देश की जरूरत के मद्देनजर हमारा मानना है कि हमें जल्द-से-जल्द सिस्टम को बदलने के उपाय करने चाहिए। हमें देश में अधिक योग्य डॉक्टरों की जरूरत है। डॉ नरेंद्र सैनी, महासचिव, आईएमए ने कहा, 'देश के युवा डॉक्टर अपने उत्पादक वर्ष पढ़ने और जवाब रटने में लगा रहे हैं ताकि उन्हें पीजी सीट मिल सके। हमें देश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को समझना होगा और यह जानना होगा कि किस तरह निकट भविष्य में हम इससे प्रभावित होंगे।' उन्होंने कहा, 'यह अभियान इस समस्या का समाधान तलाशने की दिशा में बढ़ाया गया कदम है और हमें देश का समर्थन चाहिए। फिलहाल यूजी पाठ्यक्रमों में करीब 45,600 सीटें हैं जो एमसीआई के प्रयासों से जल्द ही 50,000 हो जाएंगी।लगभग 80 से 90 प्रतिशत के उत्तीर्णता प्रतिशत के चलते हर साल लगभग 40,000 डॉक्टर ग्रेजुएट बनकर निकलते हैं जो इन 12,000 सीटों के लिए अपने ही साथ ग्रेजुएशन पूरा करने वाले तथा एक लाख से अधिक वरिष्ठ डॉक्टरों के साथ प्रतियोगिता के लिए मजबूर होते हैं।